Seventeenth Loksabha

>

Title: Need to appoint Ayush doctors under Ayushman Bharat Yojana-laid.

श्री कपिल मोरेश्वर पाटील (भिवंडी): केन्द्र सरकार के आयुष मंत्रालय द्वारा शोध प्रयोगशालाओं में कई नई दवाइयां विकसित की गयी हैं और देशी दवाओं के आधुनिक चिकित्सा मानकों पर परखे जाने और उसमें सफल होने की बावजूद देश में जमीनी स्तर पर उनका सही इस्तेमाल नहीं हो रहा है ।

वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद से आयुर्वेद और जड़ी-बूटियों पर आधारित दवाओं के गहन परीक्षण और मानकीकरण को लेकर करार भी किया है । सी.एस. आई.आर. कई सफल आयुर्वेद और होम्योपैथी दवाएं बाजार में ला चुका है, परंतु फिर भी ग्रामीण भारत में स्वास्थ्य सुविधायें अपर्याप्त हैं ।

अतः मेरा सरकार से अनुरोध है कि आयुष डॉक्टर को आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत अधिक से अधिक संख्या में रोजगार उपलब्ध कराया जाये, ताकि ग्रामीण भारत में स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार हो सके ।